Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 20 , सोमवार, 12 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

पिछले 5 वर्षों में सिर्फ 96 दिन ही मेघालय विधानसभा में हो पाया काम

नई दिल्ली। अगले दो हफ्ते बाद चुनाव होना है और उत्तर-पूरवी राज्य मेघालय के विधानसभा चुनाव में उतरे उम्मीदवार वहां के लोगों से उनके बेहतर जीवन के लिए सदन मे आवाज़ उठाने का वादा कर रहे हैं। लेकिन, आपको यह जानकार बेहद हैरानी होगी कि वाकई में पिछल पांच वर्षों के दौरान यहां के चुने हुए प्रतिनिधियों को आम लोगों के मुद्दों से कोई खास सरोकार नहीं रहा।

मेघायल विधानसभा में एक 1 में सिर्फ 19 दिन काम

पिछले पांच वर्षों के दौरान आठवीं मेघालय विधानसभा में सिर्फ 96 दिन ही काम हो पाया। दिल्ली के एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट की मानें तो औसतन साल में सिर्फ 19 दिन ही विधानसभा में काम हो पाया।

छह महीने का है थियेटर

शिलॉन्ग के सिविल राइट्स बॉडी थमा यू रांगली जुकी के अध्यक्ष एंजेला रंगद का कहना है- विधानसभा सत्र कुछ नहीं बल्कि छह महीने का एक थियेटर है। सत्र में पूछे गए सवालों का कोई फ लो-अप नहीं होता है क्योंकि सत्र काफी छोटा होता है। इसे बदलने की जरूरत है।

दिल्ली के लिए स्वच्छ हवा अभियान शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली की हवा को साफ बनाने के लिए दिल्ली और केंद्र सरकार ने शनिवार को संयुक्त रूप से स्वच्छ हवा अभियान की शुरुआत की। दो हफ्ते तक चलने वाले इस अभियान में 70 टीमें शामिल की गई हैं। इंदिरा प्रियदर्शनी भवन में आयोजित एक समारोह में केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री हर्षवर्धन और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर हर्षवर्धन ने कहा कि अभी अभियान को दो हफ्ते के लिए चलाया जाएगा, लेकिन उनकी इच्छा है कि यह अभियान पूरे साल चले ताकि हर स्तर पर जागरूकता फैलाई जा सके और दिल्ली की हवा को प्रदूषण मुक्त किया जा सके। केजरीवाल ने कहा कि सरकार को एक विस्तृत अध्ययन कराना चाहिए कि प्रदूषण के कारण क्या हैं और उनका समाधान कैसे किया जाए। इस मौके पर केंद्र और दिल्ली सरकार के अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरान दुर्गा जसराज की टीम ने एक गीत स्वच्छ हवा हो का मंचन किया। तैयार की गई 70 टीमों में से हरेक टीम में 7 लोग शामिल किए हैं। इनमें दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार और पुलिस के लोग हैं, जो औद्योगिक क्षेत्र से लेकर निर्माण क्षेत्र का दौरा कर हवा को साफ रखने का तरीका बताएंगे।

डीयू की महिला प्रोफेसर को लूटा

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली विविद्यालय की महिला प्रोफेसर को बाइक सवार बदमाश तमंचे की नोंक पर लूटकर फरार हो गए। लूट की घटना अपराह्न 12 बजे सहयोग अपार्टमेंट के पास हुई। पुलिस पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।पुलिस के मुताबिक डीयू में प्रोफेसर डॉ. साधना गुप्ता मयूर विहार क्षेत्र में परिवार के साथ रहती हैं।

युवक की हत्या में फरार आरोपी बिहार से गिरफ्तार

नई दिल्ली। समयपुर बादली क्षेत्र में युवक की हत्या में फरार बदमाश को अपराध शाखा की एसटीएफ टीम ने बिहार से गिरफ्तार किया है। आरोपी की शिनाख्त सुमन उर्फ शंभू (19) के रूप में हुई। जिसने दोस्त की पत्नी से अवैध संबंध के शक में साथियों के साथ मिलकर जावेद की हत्या कर दी थी। स्थानीय पुलिस चार आरोपियों धीरेश, गुलाब, रनजीत और राहुल को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।पुलिस उपायुक्त (क्राइम) डॉ. राम गोपाल नाइक के मुताबिक गत वर्ष 11 सितम्बर को हकीकुद्दीन ने अपने बेटे जावेद के लापता होने की शिकायत दी थी।

इसी दौरान उसका शव रेलवे लाइन के पास पड़ा मिला, जिसका धड़ से अलग था। समयपुर बादली थाने में इस बाबत हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान इस मामले में गुलाब, रनजीत, राहुल और धीरेश को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन एक अन्य आरोपी सुमन उर्फ शंभू फरार था, जिसे कोर्ट ने भगोड़ा घोषित करार दिया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दिल्ली पुलिस ने 20 हजार रु पए का इनाम घोषित कर रखा था। इसे दबोचने के लिए एसीपी पंकज सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर जतन सिंह, एसआई सुनील कुमार, आशीष, विकास राणा, हेड कांस्टेबल संजीव तोमर की टीम गठित की गई।

अरुण जेटली बोले-लोकसभा चुनाव समय से पहले नहीं,लेकिन हम हैं तैयार

अगरतला (एजेंसी)। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2019 में होने वाले लोकसभा चुनाव को समय से पहले कराने की अटकलों पर विराम लगा दिया है। अरुण जेटली ने अगरतला में कहा, 'इस बात की संभावना नहीं लगती कि 2019 का चुनाव समय से पहले होगा।' हालांकि उन्होंने ये भी साफ किया कि पार्टी हर स्थिति के लिए तैयार है। अरुण जेटली त्रिपुरा में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी का विजन डॉक्यूमेंट जारी करने राजधानी अगरतला पहुंचे थे। गौरतलब है कि पीएम मोदी के 'एक देश, एक चुनाव' के नारे के बाद ये कयास लग रहे थे कि 2019 का लोकसभा चुनाव समयसे पहले हो सकता है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी बजट सत्र की संयुक्त बैठक के अभिभाषण में इस पर अपने

विचार रखे थे। कोविंद ने कहा था कि राज्यों के चुनाव आम चुनावों के साथ करवाने पर बहस होनी चाहिए। राष्ट्रपति के मुताबिक एक के बाद एक होने वाले चुनावों में मानव संसाधनों पर काफी जोर पड़ता है। इससे देश के विकास पर भी असर पड़ता है। ऐसे में संभावना जतायी जा रही थी कि 2019 लोकसभा चुनाव इसी साल के अंत तक कराए जा सकते हैं. आज अगरतला में बीजेपी का

'एक देश, एक चुनाव' के नारे के बाद ये कयास लग रहे थे कि 2019 का लोकसभा चुनाव समयसे पहले हो सकता है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी बजट सत्र की संयुक्त बैठक के अभिभाषण में इस पर अपने विचार रखे थे।

विजन डॉक्यूमेंट जारी करते हुए अरुण जेटली ने ऐसी संभावनाओं को खारिज कर दिया। जेटली ने कहा, 'हम हमेशा तैयार हैं लेकिन मुझे इसकी संभावना नहीं दिखती।' भाजपा का विजन डॉक्यूमेंट जारी करते हुए अरुण जेटली ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि त्रिपुरा में बीजेपी की जीत होगी। लेफ्ट पर हमला करते हुए जेटली ने कहा कि पश्चिम बंगाल में इतने वर्ष सरकार में रहने के बाद भी लेफ्ट वहां दूसरे स्थान पर भी नहीं हैं। लेफ्ट की ताकत समाप्त हो चुकी है, उन्हें त्रिपुरा में बड़ा झटका लगेगा।

तमिलनाडु : कमल हासन बोले- रजनीकांत का रंग भगवा हुआ तो साथ मंजूर नहीं

नई दिल्ली। दक्षिण भारतीय सिनेमा के दो बड़े कलाकार कमल हासन और रजनीकांत राजनीति में कदम रखने वाले हैं। कमल हासन ने कहा कि अगर रजनीकांत की राजनीति का रंग भगवा हुआ तो गठबंधन मंजूर नहीं है। उन्होंने कहा है कि रजनीकांत की राजनीति में भगवा रंग दिखता है और मेरी राजनीति का रंग भगवा नहीं है। अगर यह रंग नहीं बदलता है तो मैं उनके साथ गठबंधन की संभावना नहीं देखता हूं। अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में छात्रों को संबोधित करते हुए कमल हासन ने कहा, 'मैं रजनीकांत का दोस्त हूं, हमारे इरादे शायद एक जैसे हैं, लेकिन दोस्ती और राजनीति दो अलग चीज़ें हैं। मुझे नहीं लगता कि हम एक-दूसरे के साथ फिलहाल काम कर पाएंगे।

अगले दो दिनों में दिल्ली और आसपास बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान से आ रहे जबरदस्त पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली समेत उत्तर भारत में बारिश, ओलावृष्टि और तूफान आने की आशंका है। मौसम विभाग ने शनिवार को यह चेतावनी जारी की। भारतीय मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में 12 फरवरी को भारी बर्फबारी हो सकती है।

आईएमडी ने कहा है, अफगानिस्तान के मध्य भाग पर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। इसके अगले 48 घंटे में उत्तर-पश्चिम भारत की ओर बढ़ने का अनुमान है। इससे अगले 24 घंटे में दक्षिणी पाकिस्तान और पड़ोस में तूफानी प्रवाह बनने की आशंका है। पश्चिमी विक्षोभ पश्चिम की ओर से हवा से प्रेरित गैर मानसूनी वष प्रारूप है। उत्तर-पश्चिम और इससे लगे मध्य भारत के मैदानी इलाके में 11 फरवरी से अफगानिस्तान की ओर से इस पश्चिमी विक्षोभ और निचले स्तर की पूर्वी हवाओं के बीच टकराव होगा।

इस दो पणाली के प्रभाव से 13 फरवरी को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बारिश या बर्फबारी का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा, 11-13 फरवरी के बीच उत्तरी और मध्य भारत में छिटपुट से लेकर कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की आशंका है।

देश के बाकी हिस्से में अगले दो-तीन दिनों में तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग ने कहा है कि 11 फरवरी को जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और विदर्भ के छिटपुट स्थानों पर आंधी तूफान तथा ओलावृष्टि होने की आशंका है।

उड़ी के बाद सुंजवां में भी बड़ा ऑपरेशन जानें आतंकियों पर सेना का एक्शन

नई दिल्ली। जम्मू के सुंजवां आर्मी कैम्प पर 10 फरवरी को तड़के हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को हिलाकर कर रख दिया है। इस घटना में पांच जवान शहीद हो गए जबकि चार आतंकियों की मौत हो गई। जम्मू के नगरोटा में हुए हमले के करीब पन्द्रह महीने बाद सुंजवां कैम्प को निशाना बनाया गया है। आइये जानते है आतंकियों की तरफ से कैम्प पर किए गए हमले के बाद चले महत्वपूर्ण ऑपरेशन और बड़े आतंकी हमले-

सुजवां कैम्प हमला

जम्मू के सुजवां में पिछले करीब 30 घंटे के ऑपरेशन के बाद जहां इस आतंकी हमले में पांच जवान शहीद हुए और एक जवान के पिता की मौत हो गई तो वहीं दूसरी तरफचार आतंकी मारे गए। आतंकियों ने शनिवार तड़के आर्मी कैम्प के रिहायशी इलाके को निशाना बनाया। शनिवार को जैश-ए-मोहम्मद के भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर लाइट इंफैंट्री की 36 ब्रिगेड के शिविर पर तड़के हमला कर दिया था, जिसके बाद हुई मुठभेड़ में एक जूनियर कमिशंड अधिकारी समेत सेना के दो जवान शहीद हो गए थे। हालांकि, तीस घंटे बाद भी सेना की तरफ से सर्च अभियान खत्म नहीं हुआ। ऐसा बताया जा रहा है कि 2016 में हुए उड़ी हमले के बाद अब तक का यह सबसे बड़ा आतंकी हमला है।

उड़ी कैम्प हमला

18 सितंबर 2016 को आतंकियों ने सुबह के समय ही के करीब पांच बजे उड़ी में सेना के कैंप पर हमला कर दिया था। इस हमले में भारतीय सेना के 18 जवान शहीद हो गए थे।

इस हमले में तकरीबन 30 जवान घायल हो गए जिन्हें एयरलिफ्ट कर हॉस्पिटल ले जाया गया। जबकि, जवाबी कार्रवाई में चार आतंकियों को भी मौत के घाट उतार दिया गया था। इस हमले के बाद ही सेना ने एलओसी में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया था। उड़ी हमले में

पुलवामा डीपीएल हमला

26 अगस्त 2017 को जैश के आतंकियों ने पुलवामा के जिला पुलिस लाइन पर फिदायीन हमला कर दिया था। इस हमले में आठ जवान शहीद हो गए थे। सेना ने हमला करने वाले तीन आतंकियों को भी ढेर करने में सफलता हासिल की थी।

श्रीनगर एयरपोर्ट हमला

3 अक्टूबर 2017 को श्रीनगर एयरपोर्ट के करीब बीएसएफ के कैंप पर आतंकियों ने हमला कर दिया। इस हमले में तीन आतंकियों को मार गिराया गया था।

अच्छी पहल : ओडिशा के मंदिर में 'हेलमेट नहीं तो पूजा नहीं'

ओडिशा (एजेंसी)। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में 1000 साल पुराने एक मंदिर के पुजारियों ने उन दोपहिया वाहन चालकों को पूजा कराना बंद कर दिया है, जो बिना हेलमेट के वाहन चलाते हैं।

पुजारियों का कहना है कि पुलिस निर्देशों का पालन करते हुए देवी मां सरला के मंदिर के प्रबंधन ने एक महीने पहले 'हेलमेट नहीं तो पूजा नहीं' की नीति शुरू की है। इसमें उन वाहन चालकों को पूजा नहीं कराया जाता है जो हेलमेट नहीं पहने होते हैं।

जगतसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक जय नारायण पंकज ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में हताहतों को कम करने की रणनीति के तहत जिले में मंदिर प्रबंधनों से बात की थी। उन लोगों ने पुलिस निर्देशों का पालन करने पर सहमति जताई। मां सरला देवी का मंदिर पारादीप

के पास झंकाड में स्थित है। मां सरला मंदिर के प्रधान पुजारी सुदाम चरण पांडा ने बताया कि पुलिस की इस पहल का सम्मान करते हुए हम बिना हेलमेट पहने बाइक से मंदिर आने वाले लोगों को पूजा नहीं कराते हैं। मंदिर के पुजारी दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए इसे सख्ती से लागू कर रहे हैं। एसपी पंकज ने कहा, हमें यह जानकर काफी खुशी हो रही है कि मंदिर के पुजारी सड़क सुरक्षा मुहिम में सहयोग दे रहे हैं।

जोखिम ले कर ही विकास के रास्ते पर बढ़ सकते हैं हम : डॉ स्वामी

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद डा. सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा कि युवाओं में जोखिम लेने की मंशा होनी चाहिए। यही विकास का रास्ता बना सकता है। हमें अपने इतिहास और संस्कृति की सही जानकारी होनी जरूरी है तभी हम अंग्रेजों द्वारा भारतीयों में पैदा की गई हीन भावना से उभरकर देश को दुनिया का नंबर एक देश बना पाएंगे। डॉ स्वामी ने यह बात शनिवार को अग्रसेन टेक्नीकल एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी और मैनेजमेंट स्टडीज के वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में कहीं।

कार्यक्रम की शुरु आत मुख्य अतिथि के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉ नन्द किशोर गर्ग ने डॉ स्वामी को आधुनिक चाणक्य संबोधित करते हुए कहा कि चन्द्रगुप्त तो पैदा होते रहेंगे यदि हमारे बीच चाणक्य हों। उन्होंने मेधावी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्र और समाज निर्माण के लिए शिक्षित के साथ संस्कारी युवाओं की जरूरत है और महाराजा अग्रसेन संस्थान से ऐसे हजारों छात्र देश और समाज के लिए कार्य कर रहे हैं। संस्थान के अध्यक्ष प्रेमसागर गोयल ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स अवसर पर महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी (मेट) के महानिदेशक प्रो एमके गोयल और महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के निदेशक प्रो. एमके भट ने अपने अपने संस्थानों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। समारोह में मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर इंजीनियरिंग की छात्रा वसुधा पारीक को सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन के लिए 50 हजार रु पए का वंदना गोयल मेमोरियल आर्वड दिया गया, जबकि मैनेजमेंट के चैतन्य कपिला को स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। जर्नालिज्म और मास कम्युनिकेशन के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों श्रुति नीरज, ध्रुव बनियाल और वैभव रात्रा को भी सम्मानित किया गया।

»» युवा लेखकों को मिले ज्ञानपीठ पुरस्कार : कृष्णा सोबती

युवा लेखकों को मिले ज्ञानपीठ पुरस्कार : कृष्णा सोबती

ज्ञानपीठ के न्यासी स्वदेश जैन ने साहित्य के विकास में ज्ञानपीठ के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि आज उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने श्रवणबेलगोला में गोमेतेश्वर की प्रतिमा के महामस्तिभिषेकके दौरान जैन साहित्य की 108 पुस्तकों का विमोचन किया और भारतीय ज्ञानपीठ की सराहना की।

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1925 को पाकिस्तान की गुजरात सिटी में जन्मी श्रीमती सोबती अगले सप्ताह 18 फरवरी को 93 वर्ष की हो जाएंगी। इस पुरस्कार के लिए उनका चयन प्रख्यात आलोचक डा. नामवर सिंह की अध्यक्षता में गठित एक जूरी ने किया जिसमें रमाकांत रथ, शमीम हनफी, गिरीश्वर मिश्र, चंद्रकांत पाटिल, मधुसूदन आनंद, आलोक राय और हरीश द्विवेदी आदि शामिल थे। श्रीमती सोबती को 1980 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था और वह 1996 में अकादमी की फेलो बनाई गई थी जो अकादमी का सर्वोच्च सम्मान है। उन्हें मैथिलिशरण गुप्त शिरोमणि अवार्ड तथा व्यास सम्मान आदि भी मिल चुका है। वह मितरो मरजानी, जिन्दगी नामा, डार से बिछुड़ी, सूरजमुखी अँधेरे के, बादलों के घेरे, ए लड़की, दिलो दानिश, गुजरात पाक से गुजरात हिन्दुस्तान तक, जैसी चर्चित कृतियाँ लिख चुकी हैं। उनकी रचनाओं के देशी विदेशी भाषाओं में अनुवाद हो चुके हैं। वह अपने अनूठे गद्य और कथा शैली एवं बेबाक लेखन के लिए जानी जाती हैं। कृष्णा सोबती, महादेवी वर्मा के बाद हिन्दी की दूसरी लेखिका हैं जिन्हें यह सम्मान मिला। अब तक हिन्दी में सुमित्रानंदन पन्त, दिनकर, अज्ञेय, निर्मल वर्मा, कुंवर नारायण, अमरकांत, श्रीलाल शुक्ल और केदारनाथ सिंह को यह पुरस्कार मिला है।

लेखक होना जितना सहज दिखता है, वह उतना आसान नहीं : सोबती

हिन्दी की प्रख्यात कथाकार एवं साहित्य में स्त्री स्वर को पहचान देने वाली कृष्णा सोबती को शनिवार को उनकी अनुपस्थिति में 53वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी अनुपस्थिति में यह सम्मान हिन्दी के वरिष्ठ लेखक अशोक वाजपेयी ने ग्रहण किया। वाजपेयी को यह सम्मान भारतीय ज्ञानपीठ न्यास के अध्यक्ष एवं न्यायमूर्ति विजेंद्र जैन और मशहूर आलोचक डा. नामवर सिंह ने संयुक्त रूप से प्रदान किया। पहले यह पुरस्कार राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को प्रदान करना था, किन्तु किन्ही अपरिहार्य कारणों से वह नहीं आ सके। पुरस्कार स्वरूप 11 लाख नगद, वाग्देवी की प्रतिमा, एक प्रशस्ति पत्र और ताम्र फलक व श्रीफल दिया जाता है। कृष्णा सोबती (92) की अचानक तबीयत खराब होने के कारण दो दिन पूर्व उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जिसके कारण उनकी ओर से यह पुरस्कार हिंदी के सुप्रसिद्ध लेखक एवं संस्कृति कर्मी अशोक वाजपेयी ने ग्रहण किया। इस अवसर पर श्री वाजपेयी ने कृष्णा सोबती का वक्तव्य पढ़कर सुनाया, जिसमें उन्होंने (कृष्णा सोबती) ज्ञानपीठ परिवार से कहा कि मेरा सुझाव है कि यह सम्मान भारतीय भाषाओं के वरिष्ठ लेखकों के दिए जाने की परिपाटी को बदलकर उन लेखकों को दिया जाए जो अपेक्षाकृत युवा हैं, पर जिनकी उपलब्धियां ऐसे सम्मान की पात्र हैं। उन्होंने कहा कि लेखक होना जितना सहज दिखता है, वह उतना आसान नहीं, लेखक एक बड़ी दुनिया को अपने में समेटे रहता है और वह किसी के दबाव में नहीं, बल्कि स्वेच्छा से लिखता है और उसे अपने समय और काल से जोड़ता है। ज्ञानपीठ प्रवर समिति के अध्यक्ष डा. नामवर सिंह ने कहा कि कृष्णा सोबती विभाजन के बाद पाकिस्तान के लाहौर से दिल्ली आई थीं। उस समय और भी कई लेखक दिल्ली आए थे और उस दौर के बारे में कथा साहित्य में लिखा था। डा. सिंह ने उनके गद्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह उनकी भाषा की दाद देते हैं। जिस तरह के वाक्य वह लिखती हैं, वे सिक्के की तरह चमकते हैं और उनमें कोई शब्द फालतू नहीं होता। ज्ञानपीठ के न्यासी स्वदेश जैन ने साहित्य के विकास में ज्ञानपीठ के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि आज उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने श्रवणबेलगोला में गोमेतेश्वर की प्रतिमा के महामस्तिभिषेकके दौरान जैन साहित्य की 108 पुस्तकों का विमोचन किया और भारतीय ज्ञानपीठ की सराहना की। समारोह को न्यायमूर्ति जैन ने भी संबोधित किया, धन्यवाद ज्ञापन प्रबंध न्यासी अखिलेश जैन ने दिया। मंच पर ज्ञानपीठ की आजीवन न्यासी अपराजिता जैन महाजन भी मौजूद थी। समारोह का संचालन ज्ञानपीठ के निदेशक लीलाधर मंडलोई ने किया, सभागार में बड़ी संख्या में लेखक, पत्रकार और बुद्धिजीवी मौजूद थे।

उस व्यक्ति ने अमरत्त्व प्राप्त कर लिया है, जो किसी सांसारिक वस्तु से व्याकुल नहीं होता। स्वामी विवेकानंद

''ऑनलाइन'

समय बदल रहा है, और मनुष्य के अस्तित्व में संचार और सूचना तकनीक की बढ़ती हिस्सेदारी रिश्तों के नये आयाम उद्घाटित कर रही है। अन्तर्जाल या इंटरनेट के जरिए लोग दोस्त बनाते हैं, मित्रों से ''ऑनलाइन' मिलते हैं। फेसबुक नेटवर्किंग संवाद/मनोरंजन का सशक्त माध्यम बन रही है। आज दूसरों के साथ मिल-बैठ समय बिताना एक सहज वृत्ति है। जब हम लोगों के साथ रहते हैं, तो हममें प्रसन्नता, उत्तेजना और सतर्कता की ज्यादा अनुभूति होती है। दूसरों से जुड़ने का आरंभ शैशव काल से ही शुरू हो जाता है। किशोर होते-होते हम लगभग पचहत्तर प्रतिशत समय और लोगों के साथ बिताते हैं। प्रौढ़ हो कर नायक या सहायक की भूमिका में नजर आते हैं, और सामाजिकता हमारे लिए प्रमुख संसाधन बन जाती है।उद्विकास (इवॉल्यूशन) की विचारधारा दूसरों से मिलने की कोशिश और उनसे निकट संबंध बनाने के लिए आनुवंशिक आधार ढूंढती है क्योंकि यह जीवन तथा प्रजनन के लिए अनिवार्य है। कोई व्यक्ति सामाजिकता की जगह कितनी निजता चाहता है, यह इस पर निर्भर करता है कि हम किस सीमा तक दूसरों के साथ खुल पाते हैं। वस्तुत: हम अपने लिए सामाजिक संपर्क का एक निश्चित स्तर चाहते हैं, और उसे स्थिर बनाए रखने की कोशिश करते हैं। उसी मनचाहे स्तर पर संपर्क बने रहने से खुश रहते हैं। व्यक्ति केंद्रित समाजों में मित्रता अपनी जरूरत के हिसाब से की जाती है जबकि सामूहिक समाजों में मित्रता नि:स्वार्थ और कृतज्ञ भाव से भी की जाती है।दूसरों के साथ जुड़ने की कोशिश करते हुए यह चिंता भी हमारे मन में बनी रहती है कि क्या मैं पर्याप्त मात्रा में आकर्षक हूं, कहीं अस्वीकार तो नहीं कर दिया जाऊंगा। ऐसे में सामाजिक दुश्चिंता भी पैदा हो सकती है। तब लोग सामाजिक स्थितियों से कतराने लगते हैं, और अकेलेपन की अनुभूति के शिकार होने लगते हैं।

दूसरों के साथ कम खुलते हैं, और बेरु खी से पेश आते हैं। इसी से जुड़ी हुई एक दूसरी स्थिति तब आती है, जब हम खुद को बाहर किया हुआ या छूटा हुआ पाते हैं। किसी व्यक्ति या समूह द्वारा छांट दिया जाना हमें गहरा घाव दे जाता है।

हम क्यों और कब किसी की ओर खिंचते हैं, या उसकी उपेक्षा करते हैं, यह जिंदगी का अहम मसला होता है। सवाल उठता है कि जुड़ें तो किससे जुड़ें? किसकी ओर हम आकर्षित होते हैं? लोगों की कौन-सी विशेषता उन्हें ज्यादा आकर्षक बनाती हैं? दूसरे शब्दों में कहें तो दोस्ती और प्यार किन व्यक्तियों के बीच पनपता है? वे व्यक्ति जिनसे हम जुड़ते हैं, उनका शारीरिक सौष्ठव, खुद से समानता, अनुपूरकता और पारस्परिकता खास भूमिका निभाते हैं। हालांकि यौवन, स्वास्थ्य तथा सुडौल नाक नक्श प्राय: सभी संस्कृतियों में चाहे जाते हैं तथापि शारीरिक रूप से आकर्षक होने के मानदंड फर्क-फर्क होते हैं। शारीरिक रूप से आकर्षक लोगों में श्रेष्ठ व्यक्तित्व के गुण भी (हों या न हों पर) अक्सर देखे जाते हैं। अक्सर हम उन लोगों की ओर ज्यादा आकर्षित होते हैं, जो लिंग, जाति, आयु, विचारधारा और मूल्य की दृष्टि से हमारे समान होते हैं। यह भी पाया जाता है कि अक्सर हम उन्हें पसन्द करते हैं, जो हमें पसंद करते हैं, और उन्हें नापसंद करते हैं, जो हमें नापसंद करते हैं। इनके अतिरिक्त परिचय और चिंता को भी साहचर्य का प्रमुख आधार पाया गया है। जो पास रहते हैं, उन्हें हम बार-बार देखते रहते हैं, और वे परिचित हो जाते हैं। परिचित व्यक्तियों की ओर हम अधिक आकर्षित होते हैं। साथ ही जब हम चिंतित या परेशान रहते हैं, तो दूसरों से जुड़ने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है क्योंकि दूसरे सामाजिक समर्थन देते हैं, खास तौर पर तब जब वे भी समान परिस्थिति से गुजर रहे हों। मनुष्य के अस्तित्व में संचार और सूचना तकनीक की बढ़ती हिस्सेदारी रिश्तों के नये आयाम उद्घाटित कर रही है। फेसबुक आज नेटवर्किंग, संवाद और मनोरंजन का जोरदार माध्यम बन रही है। इन्हें अपनाते हुए रिश्तों की यात्रा पर निकल रहे लोग मित्रता, रोमांस और शादी-ब्याह के मुकाम तक पहुंच रहे हैं। चूंकि संप्रेषण में शामिल दोनों ही पक्ष एक दूसरे के लिए अदृश्य रहते हैं, इसलिए अपने संप्रेषण के लिए खुद की जिम्मेदारी से आसानी से मुकर जाते हैं, और न पहचाने जाने की सुविधा से गलत व्यवहार करने से नहीं कतराते। हमारे सामाजिक परिवेश में तकनीकी हस्तक्षेप नये तरह के कोलाहल को जन्म दे रहा है। कृत्रिम और अनियंत्रित किस्म की यह हलचल विासघात और आपराधिक किस्म की मुश्किलें भी खड़ी कर दे रही है। व्हाट्सअप, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, गूगल प्लस, लिंक्ड इन आदि सूचना तकनीक के बहुत से उपकरण मिल रहे हैं। अब संचार और संप्रेषण के तरीके और तहजीब नये मुहावरे और शैली में ढल रहे हैं।

''बेरोजगारों का हब'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का समापन जिस तरीके से किया, उसकी मिसाल शायद ही मिलेगी। उपलब्धियां गिनाई, मगर कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों को कोसते हुए। विपक्ष के सवालों के जवाब देने से बचते हुए उन्होंने कांग्रेस पर ही कई सवाल दागे। बेरोजगारी, एनपीए जैसे मुद्दे पर भी पीएम मोदी उल्टे कांग्रेस से सवाल करते दिखे। राजनीतिक जगत में बेहतरीन वक्ता के रूप में जो जगह नरेन्द्र मोदी ने करोड़ों लोगों के दिलों में बनाई है, यह भाषण उससे हटकर नजर आया। हालांकि, नरेन्द्र मोदी नहीं चाहेंगे कि चुनाव में बेरोजगारी मुद्दा बने, लेकिन इसे मुद्दा बनने का आधार भी तैयार हो गया है।

सतीश पेडणोकर

प्रधानमंत्री के भाषण से एक बात यह भी तय हो गई है कि नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों को लेकर बीजेपी चुनाव मैदान में नहीं उतरेगी। वह 5 साल बनाम 70 साल जैसे जुमलों के सहारे कांग्रेस की कमियां गिनाकर चुनावी पिच तैयार करेगी। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बीजेपी चुनाव मैदान में उतरने वाली है, और एक बार फिर इस मुद्दे पर कांग्रेस का राजनीतिक कत्ल करने की उन्होंने ठान ली है, इसका भी संकेत मिल गया है। सभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आक्रामक भाषण से संकेत मिलते हैं कि नई लोक सभा का बिगुल बज चुका है। अपने एक घंटे बीस मिनट के भाषण में मोदी ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। कुछ वैसा ही, जैसा वह चुनाव के समय बोलते रहे हैं। हालांकि, लोक सभा का कार्यकाल अभी एक साल से ज्यादा बचा है। लेकिन एक साथ चुनाव कराने की चर्चा, बजट में किसानों के लिए खजाने का खुलना और गरीबों के लिए ढेर सारी योजनाओं का एलान चुनावी दस्तक जैसा सुनाई दे रहा है।तो क्या मोदी सरकार आास्त हैं कि वह फिर सत्ता में लौट रही है? 2019 में भी उसकी लोकप्रियता 2014 जैसी बरकरार है? 2014 के वादे पूरे हो गए हैं? नोटबंदी से आम लोग खुश हैं, जीएसटी से व्यापारियों को राहत मिली है? युवाओं के लिए रोजगार का सृजन हुआ है? समर्थन मूल्य मिलने से किसान खुश हैं और नई स्वास्य बीमा योजना ने गरीबों का दुख दूर कर दिया है? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का समापन जिस तरीके से किया, उसकी मिसाल शायद ही मिलेगी। उपलब्धियां गिनाई, मगर कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों को कोसते हुए। विपक्ष के सवालों के जवाब देने से बचते हुए उन्होंने कांग्रेस पर ही कई सवाल दागे। बेरोजगारी, एनपीए जैसे मुद्दे पर भी पीएम मोदी उल्टे कांग्रेस से सवाल करते दिखे। राजनीतिक जगत में बेहतरीन वक्ता के रूप में जो जगह नरेन्द्र मोदी ने करोड़ों लोगों के दिलों में बनाई है, यह भाषण उससे हटकर नजर आया। हालांकि, नरेन्द्र मोदी नहीं चाहेंगे कि चुनाव में बेरोजगारी मुद्दा बने, लेकिन इसे मुद्दा बनने का आधार भी तैयार हो गया है। पकौड़ा बेचने को रोजगार बताकर पहले पीएम ने रोजगार को लेकर नई सरकारी सोच सामने रखी थी। अब संसद में प्रधानमंत्री ने रोजगार को लेकर एक और सोच देश के सामने रखी है। पीएम मोदी ने कहा है कि भारत में आज का मध्यम वर्ग नौकरी की भीख नहीं मांगता। नरेन्द्र मोदी ने कहा, ''मैं जरा कांग्रेस के मित्रों से पूछना चाहता हूं कि आप बेरोजगारी आंकड़ा पूरे देश का देते हैं, पर रोजगार का आंकड़ा भी देशभर का दीजिए। रोजगार और बेरोजगारी के नाम पर देश को गुमराह न करें। आज का मध्य वर्ग नौकरी की भीख नहीं मांगता। आज आईएएस के बच्चे भी स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं। एक तरफ रोजगार को लेकर पीएम का ये नजरिया है और दूसरी तरफ एक ऐसी कड़वी सच्चाई जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत दुनिया में सबसे बड़ा बेरोजगारों का देश बन चुका है। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन ने अनुमान लगाया है कि 2018 में भारत में 1.86 करोड़ लोग बेरोजगार रहने वाले हैं, जिनकी संख्या 2019 में बढ़कर 1.89 करोड़ हो जाएगी। सरकार के श्रम मंत्रालय के श्रम ब्यूरो का सर्वे बताता है कि बेरोजगारी दर पिछले पांच साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। भारत ''बेरोजगारों का हब' बन चुका है।संसद में अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने एनपीए यानी नॉन परफॉर्मिंग एसेट का मुद्दा भी पूरी गम्भीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि देशहित में पूरा सच सामने रखने से वे बचते रहे। एनपीए का जो आंकड़ा कांग्रेस 36 फीसद बता रही थी, दरअसल 80 फीसद से ज्यादा थी। मनमाने तरीके से सरकारी धन को लुटाया गया। बैंकों पर दबाव डालकर चहेतों को लोन दिलवाए गए। पीएम ने कहा कि बैंक, सरकार और बिचौलियों के गठजोड़ ने देश को लूटा है। प्रधानमंत्री के शब्दों में, ''आपके (कांग्रेस) पापों को जानते हुए मैंने देश की भलाई के लिए खुद को मौन रखा और आरोप झेलता रहा। ये एनपीए आपका पाप था। हमारी सरकार आने के बाद एक भी लोन ऐसा नहीं दिया गया, जिसमें एनपीए की नौबत आई हो।'निस्संदेह प्रधानमंत्री ने एनपीए को लेकर जो आरोप पूर्ववर्ती सरकार पर लगाए हैं, उसके लिए कांग्रेस जवाबदेह है। मोदी सरकार में बैंकों के पास धन आए हैं ताकि एनपीए की स्थिति से निपटा जा सके। मगर, घुमा-फिराकर जनता पर ही दोबारा बोझ डाला गया है। अगर सरकार एनपीए के मामले में दोषी बैंक अधिकारियों और डिफॉल्टर पूंजीपतियों को सजा दिलाने का काम करती, तो उसके बेहतर परिणाम मिल सकते थे। प्रधानमंत्री ने मेक इन इंडिया को लेकर उठाए जाते रहे सवालों को भी उठाया। पूंजी निवेश बढ़ने और भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब में बदलने की कोशिश का जिक्र किया। मगर, इन सबके लिए जरूरी औद्योगीकरण की ठोस तस्वीर सामने नहीं आ सकी है। ये सच है कि ईज ऑफ डुइंग बिजनेस के मामले में भारत ने जबरदस्त छलांग लगाई। पूंजी निवेश भी बढ़ा। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016-17 में देश में अन्य किसी वर्ष की तुलना में सबसे अधिक 43.47 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। मगर, ये आंकड़े भी देश में औद्योगीकरण को बढ़ावा देते नहीं दिखे। भारत असेम्बलिंग हब और मुनाफा कमाने की जगह बनकर रह गया। अगर वास्तव में एफडीआई ने अपना असर दिखाया होता, तो मैन्युफैक्चरिंग हब बनने से भारत को कोई नहीं रोक सकता था। संसद में दिए अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने विरोधियों पर करारा हमला बोला। बिना नाम लिए भोपाल गैस त्रासदी के जिम्मेदार एंडर्सन को भारत से सेफ एक्जिट देने की बात उठाई तो राजीव गांधी के बड़ा पेड़ गिरने वाले बयान की भी याद दिलाई। प्रधानमंत्री ने इमरजेंसी को याद करते हुए पूछा कि आपको लाखों को जेल बंद करने वाला भारत चाहिए, बोफोर्स घोटाले वाला भारत चाहिए या कि न्यू इंडिया वाला भारत।संसद के भीतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरी तरह से इलेक्शन मोड में दिखे। अपनी उपलब्धियों को गिनाते हुए भी वे इस मोड में दिख सकते थे। अपनी सरकार की उपलब्धियों को उन्होंने गिनाया भी, मगर उन उपलब्धियों को गिनाने का तरीका राजनीतिक अधिक था। कांग्रेस के कामकाज के मुकाबले, कांग्रेस की उपलब्धियों के मुकाबले बीजेपी और बीजेपी सरकार ने अधिक काम किए, इस पर जोर था। यह गलत नहीं है लेकिन इशारे करता है कि चुनाव अब नजदीक आ चुके हैं। प्रधानमंत्री के भाषण से एक बात ये भी तय हो गई है कि नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों को लेकर बीजेपी चुनाव मैदान में नहीं उतरेगी। वह 5 साल बनाम 70 साल जैसे जुमलों के सहारे कांग्रेस की कमियां गिनाकर चुनावी पिच तैयार करेगी। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बीजेपी चुनाव मैदान में उतरने वाली है और एक बार फिर इस मुद्देपर कांग्रेस का राजनीतिक कत्ल करने की उन्होंने ठान ली है, इसका भी संकेत मिल गया है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में आने वाले चुनाव में चुनावी मुद्दे का आधार तय कर दिया है। इसके अलावा संसद में दिए अपने भाषण में पीएम नरेन्द्र मोदी ने एनडीए कुनबे को मजबूत करने और यूपीए कुनबे को कमजोर करने की कोशिश करते रहने का संकेत भी दिया है। उनका पूरा भाषण सवालों के जवाब देने के बजाय सवाल उठाता दिखा।

चलते चलते

स्वयं को जानना ही सबसे बड़ा ज्ञान

एक दिन एक विचारशील व्यक्ति के मन में सवाल उठा कि आखिर 'मैं कौन हूं? उसने अपने मन की उठती-गिरती लहरों में खुद को ढूंढ़ने की बहुत कोशिश की, लेकिन उसका समाधान नहीं हुआ। उसने विद्वानों द्वारा रचित शास्त्र पढ़े, ज्ञानियों की बातें सुनीं, पर इससे भी उसे कोई जवाब नहीं मिल सका। बल्कि यह हुआ कि उसकी चेतना बोझिल होती गई और भावनाओं में भारीपन आ गया। अब उसकी बेचैनी और बढ़ चुकी थी। एक दिन वह यूं ही अपने मन को हल्का करने के लिए बाहर टहलने निकला। सूर्यास्त हो चुका था, लेकिन रात का द्वार रोकने के लिए सांझ अभी तक ठहरी हुई थी। वह व्यक्ति अभी तक स्वयं की खोज कर रहा था, परंतु वहां तो शून्यता थी और जहां शून्यता होती है, वहां कुछ नहीं होता। थोड़ी दूर

`मैं कौन हूं? उसने अपने मन की उठती-गिरती लहरों में खुद को ढूंढने की बहुत कोशिश की, लेकिन उसका समाधान नहीं हुआ। उसने विद्वानों द्वारा रचित शास्त्र पढ़े, ज्ञानियों की बातें सुनीं, पर इससे भी उसे कोई जवाब नहीं मिल सका। बल्कि यह हुआ कि उसकी चेतना बोझिल होती गई और भावनाओं में भारीपन आ गया।

आगे चलने पर उसने देखा कि एक बुढ़िया प्याज छील रही है। उस बुढ़िया ने एक बड़ी-सी प्याज की गांठ हाथ में ले रखी थी और उसे छीलती जा रही थी। प्याज की परतों पर परतें निकलती गईं - पहले मोटी-खुरदुरी परतें, फिर मुलायम-चिकनी परतें और फिर आखिर में कुछ भी नहीं। प्याज छीलते-छीलते बुढ़िया के हाथ में कुछ भी नहीं बचा। अपनी इस स्थिति पर वह जोर-से हंस दी। उस बुढ़िया को देखकर व्यक्ति ने सोचा कि अपना मन भी तो कुछ ऐसा ही है। इसे उघाड़ते चलें। पहले स्थूल परतें, फिर सूक्ष्म परतें, फिर शून्य। विचार, वासनाएं और अहंकार, फिर कुछ भी नहीं। बस शून्यता ही बची रहती है। इस शून्यता को जो उघाड़ते हैं, वही ध्यान में प्रवेश करते हैं। और ध्यान के जरिए ही हमारा अपने आप से परिचय हो सकता है। वह व्यक्ति समझ गया कि यह शून्य गहनता ही हमारा अपना स्वरूप है। फिर उसे आप आत्मा कहें या कुछ और, पर सच तो यही है कि विचार, वासना, अहंकार जहां नहीं है, वहीं व्यक्ति वास्तव में अपने आप को जान सकता है। मन रूपी प्याज को पूरा ही छील लें। सारी परतें उघड़ जाने के बाद विचारों के टकराने के लिए कुछ भी नहीं बचेगा। बची रहेगी तो बस शून्यता। यही तो अपना परिचय है। सतह पर संसार के सब रंग हैं, परंतु केंद्र में बस शून्य है, नीरवता है, जहां पर व्यक्ति को स्वयं का ज्ञान, स्वयं की उपलब्धि होती है।

सत्संग

तेनाली राम

तेनाली रामालिंगाचार्युलू का जन्म तेलगु ब्राह्मण परिवार में गरलापति रामकृष्ण के रूप में ठुमुलुरु गाँव के आस-पास हुआ था। माना जाता है की 16 वी शताब्दी में उनका जन्म तेनाली नाम के गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम गरलापति रमय्या था, जो तेनाली गाँव के रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर के पुजारी थे। उनका वास्तविक नाम रामलिंग था, कहा जाता है की जन्म से वे शैव थे लेकिन अंतत: परिवर्तित होकर उन्होंने वैष्णव धर्म को अपना लिया और अपना नाम बदलकर रामकृष्ण रखा। जब रामकृष्ण युवावस्था में थे, तभी उनके पिता रमय्या की मृत्यु हो गयी। इसके बाद उनकी माता लक्ष्मम्मा अपने पैतृक स्थान तेनाली में वापिस आ गयी और वहाँ वे अपने भाई के साथ रहने लगी थी। तानालिरम को तेमाली रामलिंग के साथ से भी जाना जाता था। कहा जाता है की बाद में उन्होंने वैष्णव धर्म अपना लिया था। बचपन में तेनाली ने किसी तरह की औपचारिक शिक्षा ग्रहण नही की थी लेकिन फिर भी ज्ञान पाने की भूख की वजह से एक महान विद्वान बने। बाद में उनकी मुलाकात किसी साधू से हुई, जिन्होंने रामकृष्ण को देवी काली की आराधना करने की सलाह भी दी। बाद में वे भागवत मेला की प्रसिद्द मंडली में शामिल हो गये थे। जब यह मंडली राजा कृष्णदेवराय के सामने प्रदर्शन करने विजयनगर, तो रामकृष्ण ने अपने प्रदर्शन से राजा का दिल जीत लिया था। इसके बाद उन्होंने अपने जीवन में घटित घटनाओ के बारे में राजा कृष्णदेवराय को बताया और राजा ने उन्हें अपने दरबार में एक हास्य कवि के रूप में जगह दी और इस प्रकार रजा कृष्णदेवराय की अष्टदिग्गजो का समूह भी पूरा हुआ। इसके बाद रामकृष्ण ने हास्य कवि के रूप में बहुत प्रसिद्धि प्राप्त कर ली थी। सूत्रों के अनुसार रामलिंग बहुत सी कठिन परिस्थितियों में राजा रायलू को बचाने में भी सहायक साबित हुए है। इस प्रसिद्द कहानी में यह भी बताया गया है की रामलिंग ने अपनी बुद्धिमत्ता और चतुराई से विजयनगर को दिल्ली सल्तनत से बचाया था।

फोटोग्राफी...

महारानी की सत्ता के 66 साल...*लंदन के ग्रीन पार्क में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के सत्ता संभालने के 66 साल पूरे होने पर हुए प्रोग्राम में किंग्सट्रूप रॉयल आर्टिलरी के सदस्यों ने गन सैल्यूट से सलामी दी। शाही परिवार के सदस्यों के जन्मदिन, एनिवर्सरी और खास मौकों पर ऐसे ही तोपों की सलामी दी जाती है।*

नई परियोजनाए

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और प्रमुख विपक्षी नेता खालिदा जिया को विशेष कोर्ट द्वारा भ्रष्टाचार के एक मामले में सुनाई गई पांच साल की कठोर सजा से दो महत्वपूर्ण सवाल उभर कर सामने आए हैं। पहला: क्या वहां की लोकतांत्रिक संस्थाएं धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के अस्तित्व को सुरक्षित रख पाएंगी और विद्रोही धार्मिक कट्टर समूहों की पराजय होगी? दूसरा: आने वाले दिनों में मुख्य राजनीतिक शक्तियों-अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनल पार्टी-के बीच अरसे से जारी तीव्र मतभेद कम होंगे और लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत हो पाएगी? दरअसल, पिछले दो दशकों से बांग्लादेश की राजनीतिक-सामाजिक व्यवस्था इन दोनों चुनौतियों से जूझ रही है और देश को एक असफल राज्य बनाने की ओर धकेल रही हैं। बांग्लादेश मुस्लिम बहुल देश है। अपनी आजादी से पहले यह पूर्वी पाकिस्तान हुआ करता था। अपनी भाषायी और जातीय पहचान को बनाए रखने के लिए 1971 में वह पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश के नाम से स्वतंत्र और संप्रभु देश बना। ब्रिटिश उपनिवेशवाद से स्वतंत्र होने वाले एशिया-अफ्रीका के अन्य देशों की तरह यहां भी पश्चिमी लोकतांत्रिक व्यवस्था अपनाई गई। लेकिन दुर्भाग्य से पिछले 47 वर्षो के दौरान वहां के अवाम को कईबार सैनिक शासन की मार झेलनी पड़ी जिसके चलते लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर हुई। 1991 में बांग्लादेश सैनिक शासन से मुक्त हुआ और लोकतंत्र की वापसी हुई। तब से अब तक अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनल पार्टी बारी-बारी से सत्ता में आती रही हैं। प्रधानमंत्री शेखहसीना अवामी लीग का नेतृत्व करती हैं, और बांग्लादेश नेशनल पार्टी का नेतृत्व खालिदा जिया के हाथों में है। शेखहसीना बंगबंधु शेखमुजीबुर रहमान की बेटी हैं, और खालिदा जिया पूर्व राष्ट्रपति जनरल जिया-उर-रहमान की बीवी हैं, जिनकी हत्या 1981 में कर दी गई थी। शेख मुजीब देश के पहले राष्ट्रपति थे। 1975 में उनकी भी हत्या की गई थी।

शेख हसीना और खालिदा जिया, दोनों अपनी राजनीतिक विरासत के चलते देश के शीर्ष पद पर आसीन हुई। दोनों में जब भी कोईसज़ा में रहा है, तो उसने अपने विरोधी दलों का दमन करने की कोशिश की है। जाहिर है कि लोकतांत्रिक सरकारों का यह अलोकतांत्रिक रवैया लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करता है। बांग्लादेश में यही घटित हो रहा है।

आम तौर पर जिन देशों में सरकारें जनता के प्रति उत्तरदायित्वों का निर्वाह नहीं कर पातीं और विधि के शासन की अनदेखी होती है, वहां न केवल संस्थाएं कमजोर होती हैं, बल्कि भ्रष्टाचार की भी नई-नई राहें खुल जाती हैं। लैटिन अमेरिका, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व में राजनीतिक नेताओं के भ्रष्टाचार इसके उदाहरण हैं। अधिकतर मामलों में देखा गया कि राजनीतिक नेताओं ने विकासात्मक कायरे और मानवीय परियोजनाओं के लिए मिली अंतरराष्ट्रीय मदद की राशि को निजी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया। ढाका की विशेष अदालत ने खालिदा जिया को ''जिया अनाथालय ट्रस्ट' को विदेशी दान के तौर पर मिले करीब 1.6 करोड़ रुपये के गबन के मामले में सजा सुनाई है। खालिदा को दिसम्बर में होने वाले चुनाव से बेदखल किया जाता है, तो भीषण रक्तपात की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। यहां की अस्थिरता भारत के लिए भी खतरा पैदा कर सकती है।

अभद्र मुद्रा दिखाने वाली जापानी खिलाड़ी पर बैन

गांगनियूंग। जापान ओलंपिक महिला आइस हॉकी टीम की स्टार फारवर्ड रूई उकिता को स्वीडन के खिलाफ यहां शीतकालीन ओलंपिक मैच के दौरान विपक्षी टीम की खिलाड़ी को अभद्र मुद्रा दिखाना महंगा पड़ गया और उन्हें एक मैच के लिये निलंबित कर दिया गया है। जापान और स्वीडन के बीच शनिवार को हुये हॉकी मैच में उकिता ने ही टीम के लिये एकमात्र गोल किया था लेकिन जापान यह मैच 1-2 से हार बैठा था। अंतरराष्ट्रीय आईस हॉकी फेडरेशन(आईआईएचएफ) ने रविवार को इसकी जानकारी दी। फेडरेशन ने अपनी वेबसाइट पर दी जानकारी में कहा कि शनिवार को दोनों टीमों के बीच मैच के दौरान उकिता ने स्वीडन टीम के बेंच की ओर खिलाड़ी एनी स्वेडिन की ओर देखते हुये मारने की मुद्रा दिखाई थी। उन्होंने विपक्षी खिलाड़ी एनी के शरीर के निचले हिस्से की ओर देखकर मारने की मुद्रा बनायी थी। हॉकी संघ के आचार संहिता दल ने माना कि उकिता की मुद्रा विपक्षी खिलाड़ियों को चोट पहुंचाने वाली नहीं थी लेकिन उनकी प्रतिक्रिया आपत्तिजनक थी और इसके लिये उन्हें निलंबन झेलना होगा। उकिता अब स्विटजरलैंड के खिलाफ सोमवार को होने वाले पहले राउंड के मैच में नहीं खेल सकेंगी।

हॉकी फाइनल में हरियाणा और झारखंड की लड़कियों में होगी टक्कर

नई दिल्ली। स्ट्राइकर शुभानी भेंगरा के दोनों हाफ में गोल की बदौलत झारखंड ने पंजाब को 2-1 से पराजित कर यहां खेलो इंडिया स्कूल गेम्स के फाइनल मे प्रवेश कर लिया है जहां उसका मुकाबला हरियाणा से होगा। यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल हॉकी स्टेडियम में खेले गए अन्य सेमीफाइनल मैच में हरियाणा ने चंडीगढ़ को 4-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। दोनों टीमें अब फाइनल में खिताब के लिए उतरेंगी। हालांकि इससे पहले हरियाणा ने पहले लीग मैच में झारखंड को 4-2 से मात दी थी। पंजाब और झारखंड की लड़कियों ने सेमीफाइनल मुकाबले में कमाल का खेल दिखाया। लेकिन झारखंड ने सबसे अधिक मौकों को भुनाया जबकि पंजाब ने गोल के कई मौके गंवाए। पंजाब ने गेंद को काफी समय तक अपने कब्जे में रखा लेकिन झारखंड ने 21वें मिनट में सुभानी के गोल से 1-0 की बढ़त बना ली। पंजाब ने छह मिनट बाद बलजीत कौर के गोल से 1-1 की बराबरी कर ली। झारखंड के लिए दूसरे हाफ में फिर से सुभानी ने गोल किया और अपनी टीम को 2-1 से जीत दिला दी। झारखंड की कोच प्रतिमा बारवा ने टीम की तारीफ करते हुये कहा 'हमने योजना के तहत खेला और हम इस जीत के हकदार हैं।' इससे पहले सुबह हरियाणा और चंडीगढ़ का मैच भी रोमांचक रहा जहां चंडीगढ़ ने 21वें मिनट में और तीन मिनट बाद अक्षिता यादव ने गोल कर टीम को 2-0 से बढ़त दिलाई। लेकिन हरियाणा ने पिछड़ने के बावजूद मंजू, कप्तान शर्मिला के गोल 2-2 की बराबरी की और 36वें तथा 39वें मिनट में शर्मिला और अनु ने स्कोर 4-2 कर टीम को फाइनल में पहुंचा दिया।

फेड कप का अनुभव मेरे लिए मददगार साबित होगा: अंकिता रैना

नयी दिल्ली। फेड कप के एकल मुकाबलों में अपने से अधिक रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को हराकर टूर्नामेंट में अपराजेय रहीं अंकिता रैना इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि पेशेवर टेनिस में उन्हें इसका लाभ मिलेगा। विश्व रैंकिंग में 81वें स्थान पर काबिज यूलिया पुतिनसेवा एवं चीन की लिन झू जैसी खिलाड़ियों के खिलाफ जीत दर्ज करने वाली 25 वर्षीय अंकिता ने बहुत अधिक आत्मविश्वास का परिचय दिया। चीनी ताइपे की चीए-यू ह्सू को 6-4, 5-7, 6-1 से हराने वाली अंकिता ने कहा, ''मैंने कुछ अच्छे मैच खेले, जो मेरे अनुभव में जुड़ गया। अलग-अलग संदर्भों में सभी मैच चुनौतीपूर्ण रहे। एकल मैचों के खेलने के बाद सबसे बड़ी चुनौती युगल और अगले एकल मुकाबलों के लिए तैयार रहने की थी।'' भारतीय कप्तान अंकिता भांबरी ने इस बात से 'राहत की सांस ली' कि मैच शुरूआती दो मुकाबलों में ही खत्म हो गया। अंकिता ने कहा, ''मैं काफी तनाव में थी। युगल में चीनी ताइपे की टीम मजबूत थी। अब मैं राहत महसूस कर रही हूं।''

रंगना हेराथ ने रचा इतिहास तो सचिन तेंदुलकर ने दी बधाई

मीरपुर। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट की निर्णायक पारी में श्रीलंका के अनुभवी स्पिनर रंगना हेराथ ने 4 विकेट लेकर नया रिकॉर्ड बना दिया. वह क्रिकेट की दुनिया में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले लेफ्ट आर्म बॉलर बन गए हैं. लेफ्ट आर्म गेंदबाज के तौर पर अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के तेज गेंदबाज वसीम अकरम के नाम था, लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में उन्होंने 4 विकेट लेकर ये रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. उनके इस रिकॉर्ड पर चर्चा तब शुरू हुई, जब सचिन तेंदुलकर ने उन्हें बधाई दी.

सचिन ने रंगना हेराथ की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी. सचिन के अलावा श्रीलंका के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर कुमार संगकारा ने भी रंगना हेराथ को बधाई दी है.

इस मैच में रंगना हेराथ ने 4 विकेट लेकर टेस्ट क्रिकेट में 415 विकेट पूरे किए. इससे पहले ये टेस्ट में रिकॉर्ड वसीम अकरम के नाम था. वसीम अकरम ने 414 विकेट टेस्ट क्रिकेट में लिए थे. उनके अलावा इस लिस्ट में डेनियल विटोरी के नाम पर 362 विकेट और चमिंडा वास के नाम 355 विकेट दर्ज हैं. रंगना हेराथ ने 1999 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यु किया था. उस मैच में उन्होंने 97 रन देकर 4 विकेट लिए थे.

दक्षिण अफ्रीका ने शानदार जज्बा दिखाया, जीत की हकदार थी: कोहली

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली अपनी टीम के हारने से दुखी थे लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका जीत की हकदार थी क्योंकि उन्होंने यहां चौथे वनडे में पांच विकेट की जीत के दौरान बेहतरीन जज्बा दिखाया। भारतीय टीम सीरीज में 3-0 की बढ़त के बाद मुकाबले में जीत की प्रबल दावेदार थी लेकिन कुछ मिले मौकों को चूकने और बारिश के बाद दो बार पड़ी बाधा ने उनकी वनडे में जीत की लय तोड़ दी जिससे दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज जीवंत रखी।

कोहली ने बीती रात मौसम से प्रभावित वनडे के बाद कहा, ''आपको दक्षिण अफ्रीका को श्रेय देना होगा। मुझे लगता है कि उन्होंने काफी शानदार जज्बा दिखाया, उन्होंने बेहतर खेल दिखाया और वे जीत के हकदार थे।'' उन्होंने कहा, ''उनकी टीम अच्छी है, हमें उनसे अच्छे क्रिकेट की उम्मीद थी और वे अच्छा भी खेले। हमें पता था कि एक और जीत दर्ज करने के लिये हमें अपने खेल में सर्वश्रेष्ठ होना होगा और इसके लिये बेहद कड़ा परिश्रम करना होगा।''

शिखर धवन और कोहली ने अच्छा खेल दिखाया था जिससे भारत ने बारिश के कारण हुई पहली बाधा से पहले दो विकेट 200 रन बना लिये थे लेकिन इसके बाद टीम लय गंवा बैठी और सात विकेट पर 289 रन ही बना सकी। भारत ने 16-3 ओवर में महज 89 रन बनाये। कोहली ने कहा, ''ब्रेक के बाद जब शिखर और जिंक्स (अंजिक्य रहाणे) बल्लेबाजी के लिये उतरे तो विकेट थोड़ा अलग तरह बर्ताव कर रहा था। ब्रेक के बाद यह बल्लेबाजी के लिये इतना अच्छा नहीं था।'' उन्होंने कहा, ''ब्रेक के बाद मौसम थोड़ा ठंडा हो गया, शाम में विकेट थोड़ा तेज हो गया और ऐसा पूरी पारी के दौरान जारी रहा इसलिये मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ी दूसरे हाफ में क्रीज पर जम सके।''

कोहली को लगता है कि दक्षिण अफ्रीका को बारिश की बाधा का फायदा मिला। उन्होंने कहा, ''खेल के ओवर कम होना और लक्ष्य कम होना शायद उनके पक्ष में रहा, उन्होंने गेंद को लगातार हिट किया, भले ही परिस्थितियां कैसी भी रही हों। अगर यह पूरा गेम होता तो नहीं पता कि परिणाम कुछ और भी हो सकता था।'' उन्होंने कहा, ''यह एक तरह से टी20 का मैच था, जिसमें आप गेंदबाजों पर हावी हो जाते हो और यह तब मुश्किल हो जाता है जब बल्लेबाज लय में आ जाता है। जब एक टीम लय में आ जाती है तो उन्हें रोकना काफी मुश्किल हो जाता है।''

बारिश और मिलर को आउट करने का मौका गंवाना भारी पड़ा: धवन

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)।

सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा कि बारिश के कारण दो बार हुई बाधा और डेविड मिलर को जीवनदान देना भारत को भारी पड़ा, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने उनकी वनडे में शानदार लय तोड़कर चौथे वनडे में पांच विकेट से जीत दर्ज की। मेजबानों की इस जीत से सीरीज अब भी जीवंत बनी हुई है जिसमें भारत 3-1 से आगे चल रहा है। मिलर को दो बार जीवनदान मिले। एक बार डीप में उनका कैच छूटा तो दूसरी बार युजवेंद्र चहल की 'नो बॉल' गेंद पर वह बोल्ड हुए। वह उस समय क्रमशः छह और सात रन पर थे। उन्होंने इन जीवनदान का फायदा उठाते हुए महज 28 गेंद में 39 रन बनाये।

धवन ने बीती रात मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''मुख्य कारण निश्चित रूप से कैच छोड़ना और फिर 'नो बॉल' के कारण एक विकेट नहीं मिलना रहा। इसके बाद से लय बदल गयी। वर्ना हम बहुत अच्छी स्थिति में थे।'' उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से बारिश का भी असर पड़ा। हमारे स्पिनर उस तरह से गेंद को टर्न नहीं कर सके जैसा उन्होंने पिछले तीन वनडे मैचों में किया था। इससे अंतर पैदा होता है क्योंकि गेंद गीली हो जाती है। यही कारण है।'' भारतीय पारी के दौरान बारिश से 53 मिनट का खेल खराब हुआ, टीम दो विकेट पर 200 रन बना चुकी थी। हालांकि तब तक कोई ओवर नहीं कटा, लेकिन भारत ने अपनी लय गंवा दी और टीम सात विकेट पर 289 रन ही बना सकी।

बाद में बारिश से एक और बाधा पड़ी जिससे 113 मिनट का खेल खराब हुआ। इससे दक्षिण अफ्रीका को डवकर्थ लुईस पद्धति से 28 ओवर में 202 रन का संशोधित लक्ष्य दिया गया। धवन ने अपने 100वें वनडे में शतक जड़ा था। उन्होंने कहा, ''हमने पहले बल्लेबाजी का फैसला इसलिये किया क्योंकि शाम में गेंद यहां मूव कर रही है। यहां हवा का भी असर पड़ता है और इससे प्रभाव पड़ता है।''

धवन ने कहा कि मिलर ने जीवनदान का भरपूर फायदा उठाया और खेल का रूख ही बदल दिया। उन्होंने कहा, ''मिलर बहुत बढ़िया खेला। भाग्य उसके साथ था। पहले उसका कैच छूटा और फिर वह नो बॉल पर बोल्ड हुआ। आमतौर पर स्पिनर नो बॉल नहीं फेंकते। उसने इन जीवनदान का पूरा फायदा उठाया और खेल का रूख ही बदल दिया। ''

शुभमन गिल ने फिर जड़ा तूफानी शतक, केएल राहुल के सैकड़े पर फेरा पानी

अलूर (एजेंसी)।

अंडर-19 वर्ल्डकप के मैन ऑफ द सीरिज रहे शुभमन गिल के बल्ले से रन रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं. वर्ल्डकप के बाद अब विजय हजारे ट्रॉफी में शुभमन गिल अपने बल्ले से जादू चला रहे हैं. उनके नाबाद 123 रन के दम पर पंजाब ने विजय हजारे ट्रॉफी वनडे टूर्नामेंट ग्रुप-ए के रोमांचक मुकाबले में कर्नाटक को चार रन से हराया. खराब मौसम के कारण 42 ओवर के इस मैच में टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने 3 विकेट पर 269 रन बनाये.

इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी कर्नाटक की टीम लोकेश राहुल के 107 रन के बावजूद भी 42 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन ही बना सकी. गिल ने 122 गेंद की पारी में आठ चौके और छह छक्के लगाये. मैच की पहली ही गेंद पर मनन वोहरा का विकेट गिरने के बाद उन्होंने

मनदीप सिंह (64) के साथ दूसरे विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी निभायी.

कप्तान युवराज सिंह ने 36 और गुरकीरत मान ने नाबाद 35 रन बनाये. कर्नाटक के लिए कप्तान विनय कुमार ने दो विकेट लिए. कर्नाटक की ओर से लोकेश राहुल ने शतकीय पारी के लिये 91 गेंद खेलीं, जिसमें आठ चौके और पांच छक्के जड़े थे. उनके अलावा पवन देशपांडे ने 53 रन का योगदान दिया. पंजाब के लिए सिद्धार्थ कौल ने तीन और बरिंदर सरन ने दो विकेट चटकाए.

छक्के जमाकर युवराज और हरभजन की बराबरी

शुभमन ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 6 छक्के जमाए. इसके साथ ही उन्होंने इस मामले में युवराज और हरभजन सिंह जैसे खिलाड़ियों की बराबरी की. विजय हजारे ट्रॉफी में पंजाब की ओर से एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वालों में अब तक युवराज और हरभजन सिंह का नाम था. हरभजन ने 2014-15 में एक पारी में गुजरात के खिलाफ 6 छक्के लगाए थे. 2015-16 में युवराज ने मुंबई के खिलाफ 5 छक्के लगाए थे. अब कर्नाटक के खिलाफ शुभमन गिल ने शतकीय पारी में 6 छक्के लगाए हैं.

चौथे एक दिवसीय में धीमी ओवर के लिये दक्षिण अफ्रीका पर जुर्माना

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका पर भारत के खिलाफ चौथे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में धीमी ओवर गति के लिये जुर्माना लगाया गया जिसमें उसने पांच विकेट से जीत दर्ज कर छह मैचों की सीरीज जीवंत रखी। आईसीसी मैच रैफरी एंडी पाइक्रोफ्ट ने ऐडन मार्कराम की टीम को कल के मैच निर्धारित समयसीमा से एक ओवर धीमा पाया, जिससे उन्होंने जुर्माना लगाने का फैसला किया।

खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिये आईसीसी आचार संहिता की धारा 2-5-1 के अनुसार खिलाड़ियों पर निर्धारित समय से धीमी गेंदबाजी करने के लिये प्रत्येक ओवर के लिये 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है जिसमें कप्तान पर दोगुना जुर्माना लगता है। इस तरह मार्कराम पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगा जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों पर 10 प्रतिशत जुर्माना लगा। अगर दक्षिण अफ्रीका मार्कराम के कप्तान रहते इस उल्लंघन के 12 महीने के अंदर वनडे में एक और ओवर गति का उल्लंघन करता है तो मार्कराम का यह दूसरा उल्लंघन माना जायेगा और उन्हें एक मैच का निलंबन झेलना होगा। मार्कराम ने मैच के बाद यह प्रस्तावित जुर्माना स्वीकार किया इसलिये आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

टी20 में आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराया

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई टीम इंग्लैंड को पांच ओवर बाकी रहते सात विकेट से हराकर त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला के तीन मैचों के बाद अपराजेय बनी हुई है। आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 20 ओवर में सात विकेट पर 137 रन पर रोक दिया। तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन ने तीन विकेट लिये। इसके बाद जीत का लक्ष्य 14-3 ओवर में ही हासिल कर लिया। ग्लेन मैक्सवेल (39) और डार्सी शार्ट (नाबाद 36) ने निर्णायक 65 रन की साझेदारी की। आरोन फिंच ने सिर्फ पांच गेंद में 20 रन बनाये। अब आस्ट्रेलिया 21 फरवरी को त्रिकोणीय श्रृंखला का फाइनल खेलेगी।

रिकी पोंटिंग बनना चाहते हैं ऑस्ट्रेलिया टी-20 टीम के कोच

सिडनी (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया को दो विश्व कप दिलाने वाले कप्तान रिकी पोंटिंग की नजरें अब अपने देश की टी-20 टीम का कोच बनने पर हैं. वेबसाइट ईएसीपएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, पोटिंग इस समय इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जा रही त्रिकोणीय सीरीज में मुख्य कोच डेरेन लैहमन के सहायक कोच की भूमिका निभा रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया खेल के तीन प्रारुपों में अलग-अलग कोच रखने पर विचार कर रहा है और इसी बात पर ध्यान देते हुए पोटिंग टी-20 प्रारुप का कोच बनने की सोच रहे हैं.

रिकी पोंटिंग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के कोच भी रह चुके हैं. वह आईपीएल-2018 में दिल्ली डेयरडेविल्स के मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे. इस बात को लेकर पोंटिंग और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के परफॉर्मेंस डायरेक्टर पैट होवार्ड के बीच इस बात को लेकर चर्चा चल रही है कि 2019 विश्व और एशेज सीरीज के बाद लैहमन के बाद किस तरह से चीजें होंगी.

पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम चुने जाने के बाद कहा, 'मैं जानता हूं कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इस बारे में विचार कर रही है. मैं सीए से छोटे प्रारुप में कोचिंग को लेकर चर्चा कर रहा हूं.' पूर्व कप्तान ने कहा, 'मैं ऑन रिकॉर्ड कह रहा हूं कि अगर मेरे पास मौका आता है और सभी चीजें सही रहती हैं तो मैं ऑस्ट्रेलिया की टी-20 टीम का कोच बनना चाहता हूं. कुछ ऐसी चीजें हैं जिन पर सीए पहले मुहर लगाएगा.'

टी-20 में कमजोर है ऑस्ट्रेलियाई टीम

बता दें कि रिकी पोंटिंग के ऑस्ट्रेलिया टी-20 टीम के कोच बनने की खबरें काफी वक्त से मीडिया में चल रही हैं. न्यूज कॉर्प की रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की रिकी पोंटिंग से इस मुद्दे पर बातचीत जारी है. अगर सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ तो 2020 में होने वाले टी-20 विश्वकप से पहले पोंटिंग ऑस्ट्रेलियाई टीम को कोचिंग देते नजर आएंगे. टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी भी टी-20 में बहुत कमजोर है. ऐसे में माना जा रहा है कि घर में होने वाली इस बड़ी चैंपियनशिप से पहले क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इस काम को करना चाहता है.

रिकी पोंटिंग दो बार विश्वकप खिताब जीत चुके हैं

अपनी टीम के लिए दो बार विश्वकप जीत चुके रिकी पोंटिंग साल 2017 के शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 मैचों की सीरीज के लिए कोचिंग दे चुके हैं. 43 वर्ष के पोंटिंग अब फरवरी में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज में टीम के कोच बन सकते हैं. 2019 में जब टीम के वर्तमान कोच डेरेन लेहमेन का कॉंट्रैक्ट पूरा हो जाएगा तो वह पूर्णकालिक कोच बन सकते हैं.

आईपीएल2018: रिकी पोंटिंग बने दिल्ली डेयरडेविल्स के कोच

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फेंचाइजी दिल्ली डेयरडेविल्स के मुख्य कोच के रूप में देखा जाएगा. टीम के मुख्य कार्यकारी हेमंत दुआ ने ट्विटर पर इसकी घोषणा की थी. पोंटिंग को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के स्थान पर डेयरडेविल्स का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है. द्रविड़ ने बीसीसीआई में हितों के टकराव के कारण दिल्ली टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था.

2015 में पोंटिंग के मार्गदर्शन में मुंबई इंडियंस ने जीता था दूसरा खिताब

आईपीएल के पिछले सीजन का समापन दिल्ली ने छठे स्थान पर रहते हुए किया था. उसने 14 में से छह मैचों में जीत हासिल की थी. टीम ने अभी तक एक भी खिताब अपने नाम नहीं किया है. साल 2015 में पोंटिंग के मार्गदर्शन में मुंबई इंडियंस ने आईपीएल का दूसरा खिताब अपने नाम किया था, लेकिन 2016 में पोंटिंग का करार टीम के साथ समाप्त हो गया और मुंबई ने इसमें विस्तार न करने का फैसला किया.

2008 से हैं आईपीएल का हिस्सा

रिकी पोंटिंग 2013 में एक खिलाड़ी के तौर पर मुंबई इंडियंस में शामिल हुए थे, लेकिन खराब फॉर्म के कारण वह बीच में ही लीग से बाहर हो गए. इससे पहले, 2008 में पहले संस्करण के दौरान वह कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा थे.

वनमंत्री का सम्मान समारोह एवं इनाम वितरण कार्यक्रम

सूरत। सूरत जिला के मांगरोल तहसीम की आदर्श केलवणी मंडल संचालित वी.एस. पटेल हाईस्कूल कोसम्बा में वन, आदिजाति मंत्री गणपतसिंह वसावा का सम्मान समारोह कोर्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे वार्षिक इनाम वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किए गए। अपने उद् बोधन में मंत्रीजी ने कहा कि जिस समाज और राष्ट्र को सबसे पहले शिक्षा मिली है, उसका विकास सबसे पहले हुआ है। कार्यक्रम दौरान नगरपालिका प्रमुख देवेन्द्रसिंह चौहाण, संगठनमंत्री राकेश सिंह वसावा के साथ विद्यार्थी, शिक्षक व अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

आईटीसी-4 हटाने या सरलीकरण की मांग

राजस्व सचिख्व व सीजीएसटी आयुक्त से मिला एसजीटीटीए का प्रतिनिधि मंडल

सूरत। कपड़ा कारोबार में बाधक बने जीएसटी के आईटीसी-4 को समाप्त कराने या सरलीकरण के मुद्दे पर साउथ गुजरात टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मंडल नई दिल्ली में राजस्व सचिव हसमुख्ख अडिया से मिला। प्रतिनिधि मंडल ने कपड़ा कारोबार में जीएसटी के आईटीसी-4 से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। राजस्व सचिव हसमुख्ख अडिया ने व्यापारियों की समस्या को सुना और फोन से सूरत स्थित सीजीएसटी आयुक्त वीरेंद्र चौधरी से मिलने को कहा। अडिया ने सीजीएसटी आयुक्त को फोन पर बात कर व्यापारियों की समस्या पर गंभीरता से विचार करने का निर्देश दिया। सूरत आने के बाद शुक्रवार को एसजीटीटीए अध्यक्ष सांवर प्रसाद बुधिया की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल सूरत सीजीएसटी आयुक्त विरेंद्र चौधरी से मिला। प्रतिनिधि मंडल व सीजीएसटी आयुक्त के बीच चले लगभ्भग दो घंटे की मिटिंग में प्रतिनिधि मंडल ने व्यापार में बाधक साबित हो रहे जीएसटी के आईटीसी-4 को हटाने या उसके सरलीकरण की मांग की। व्यापारियों की समस्या का शीघ्र निदान करने का भ्भरोसा एसजीएसटी आयुक्त विरेंद्र चौधरी ने दी है।

लूट के इरादे से घातक हथियारों के साथ घूम रहे दो को क्राइम ब्रांच ने पकड़ा

संवाददाता, सूरत। शहर की क्राइम ब्रांच पुलिस ने सणिया हेमाद गांव शुभम इंडस्ट्रीज गेट के पास से लूट करने के इरादे से घूम रहे दो युवकों को लोडेड कारतूस पिस्तौल और देशी तमंचा के साथ गिरफ्फतार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच पुलिस की टीम आगामी शिवरात्रि त्योहार को देखते हुए गहन गश्त लगा रही है। उसी समय मिली गोपनीय सूचना के आधार पर सणिया हेमाद गांव इंडस्ट्रीज के गेट के पास से मुकेश उर्फ छोटू राम अजोर यादव (21 वर्ष, प्लॉट नं. 34, शुभम इंडस्ट्री, हेमादगांव मूल निवासी दाउनपाला ललईपुर, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश) तथा संजय उर्फ मुन्ना भगवानदीन गौतम (20 वर्ष,प्लॉट नं. 34, शुभम इंडस्ट्री, हेमादगांव मूल निवासी करमीकुतुबपुर, थरीमाय, जिला पतेहपुर, उत्तरप्रदेश) को गिरफफ्तार करके उनके पास से लोडेड पिस्तौल और देशी तंमचा बरामद कर लिया।

पूछताछ में पता चला कि आरोपी मुकेश ढाई वर्ष से और संजय गौतम पिछले छह साल से सूरत में रहकर एम्ब्रोइडरी में काम करते हैं। इस समय सणिया हेमाद में कई मनी ट्रांसफर की ऑफिस चलने से लाखों रुपए का लेन-देन होता है। ये वहां किसी मनी ट्रांसफर कराने आने वाले को लूटने का इरादा बनाए थे। आरोपी मुकेश ने एक माह पहले अपने साथी संजय को रुपए देकर आजमगढ़ हथियार लाने के लिए भेजा था। वह जो हथियार लेकर आया था और गत रोज इंडस्ट्री के गेट पर अपने इरादे को अंजाम देने के लिए दोनों खड़े थे। इसी बीच पुलिस ने दोनों को गिरफ्फतार कर लिया।

हवन पूजन के साथ श्रीमद्भभगवत कथा की पूर्णाहुति

संवाददाता, सूरत। पांडेसरा इलाके के श्री काशी विश्वनाथ धाम में आयोजित श्रीमद्भभागवत कथा का रविवार को हवन पूजन के साथ पूर्णाहुति हुई। शाम चार बजे से महाप्रसाद वितरण शुरू हुआ जो देर रात तक चलता रहा। श्री काशी विश्वनाथ धाम मंदिर के महंत सर्वेशानंद महाराज, ठाकुर रेखा मौर्या, लता दूबे, सोनू पांडेय, राकेश भाई सहित काफी तादाद में भक्तों ने महाप्रसाद पाई।

कतार गांव में वाहन की टक्कर से अधेड़ महिला की मौत

सूरत। कतार गांव अमरोली चार रास्ता के पास एक अज्ञात वाहन चालक द्वारा अधेड़ महिला को टक्कर मार देने से उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। कतार गांव पुलिस अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरोली के कोसाड स्थित बिल्डिंग नं. ए-101, रूम नं. 4 में रहने वाली बल्लूबेन नंगाभाई वाघाजी (57 वर्ष) गत रोज कतार गांव के अमरोली जकात नाका के पार बीआरटीएस रूट पर पैदल जा रही थीं। उसी समय अमरोली की ओर से आए एक अज्ञात वाहन चालक ने बल्लूबेन को टक्कर मारकर फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल होने पर बल्लूबेन को इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर क्षणिक इलाज के बाद उनकी मौत हो गई। घटना के संदर्भ में कतार गांव पुलिस अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू की है।

जेजे मार्केट में बिजनेस सेमिनार का आयोजन

सूरत। फोस्टा और जेजे एसी टेक्सटाइल मार्केट एसोसिएशन की ओर से सूरत टेक्सटाइल मार्केट के टैक्स प्लॉजा होटल में बीती शाम बिजनेस सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मास्टर माइंड कंसल्टेंटी कंपनी के बिजनेस ट्रेनर और मैनेजमेंट कंसल्टेंट सोहिल पीरानी ने बिजनेस करने के आधुनिक तरीकों के बारे में समझाया। सेमिनार में फोस्टा अध्यक्ष मनोज अग्रवाल सहित अन्य मार्केट के पदाधिकारी व व्यापारी मौजूद थे।

लूट गैंग के तीन शातिर अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता, सूरत। शहर की क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक के बाद एक करके शहर में हो रहे अपराधों में लिप्त शातिर अपराधियों को पकड़ने में कामयाब होती लग रही है। सणिया हेमाद गांव से दो शातिर युवकों को पिस्तौल-कारतूस के साथ पकड़ने के बाद गत रोज क्राइम ब्रांच ने खटोदरा में चाकू से हमला करके मोबाइल लूटने वाले शातिर लुटेरे सहित उसके दो साथियों को भी पकड़ने में सफलता प्राप्त की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रोज क्राइम ब्रांच पुलिस गश्त लगा रही थी। उसी समय गोपनीय सूचना मिली कि खटोदरा विस्तार में चाकू मारकर लोगों से मोबाइल लूटने और कुछ दिन पहले ही कैलाशनगर क्षेत्र से बाइक की चोरी करने वाली गैंग का मुख्ख्ख्ख्य सरगना दीपक उर्फ दिवाकरसिंह राजपूत किसी घटना को अंजाम देने के लिए कैलाश नगर चौराहे के पास अपने तीसरे साथी का इंतजार कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने घात लगाकर दीपक उर्फ दिवाकर (19 वर्ष, घर नं. 10 जय महादेव नगर सोसाइटी, पांडेसरा मूल- उत्तर प्रदेश पट्टी प्रतापगढ़), अमीत उर्फ नानूबाबू रामलखन यादव (19 वर्ष, घर नं. 322 कैलाश नगर सोसाइटी भाग-2, मूल उत्तर प्रदेश प्रतापगढ़, कुंडा, रामपुर बाउलगांव) तथा सतेन्द्र कोमल निशाद (24 वर्ष, घर नं. 244, कैलाश नगर सोसाइटी भाग-1 पांडेसरा) को धर दबोचा। पुलिस ने इनके पास से बगैर नंबर की स्प्लेंडर बाइक, तीन मोबाइल सहित कुल 91,500 रुपए का माल कब्जे में करके जांच शुरू की है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि पकड़ा गया दीपक किसी भी घटना को अंजाम देने के लिए योजना बनाता है। आरोपी दीपक, अमीत यादव और एक अन्य आरोपी मिलकर 25 दिसंबर को रात गांधी कुटीर से पांडेसरा की ओर जाने वाले ओवर ब्रिज के पास टोरंट पावर कंपनी के सामने एक व्यक्ति को चाकू मारकर उसके पास से मोबाइल लूट करके फरार हो गए थे।

न्यू इंडिया बनाने के लिए 25 को दौड़ेगा शहर

प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी दौड़ को हरी झंडी दिख्खाकर करेंगे रवाना

संवाददाता, सूरत। तापी शुद्धिकरण के लिए वर्ष 2017 में रन फॉर सूरत की सफलता के बाद सूरत फ्फ्फ्फ्फ्यूचर फाउंडेशन की ओर से 25 फरवरी को मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया है। होटल गेट वे में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए सांसद सीआर पाटिल ने बताया कि 25 फरवरी को न्यू इंडिया बनाने के लिए सूरत में मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया है। इस दौड़ को देश के लोक प्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी हरी झंडी दिख्खाकर रवाना करेंगे। न्यू इंडिया बनाने के लिए लगभग दो लाख्ख देश-विदेश के धावक भ्भाग लेंगे। धावकों की सुरक्षा व्यवस्था व मेडिकल टीम जगह-जगह तैनात रहेगी। पत्रकार वार्ता में सांसद दर्शना जरदोष, विधायक हर्ष संघवी, पूर्णेश मोदी, झंख्खना बेन पटेल, संगीता पाटिल, बिनू मोरडिया, शहर भ्भाजपा प्रमुख्ख नितिन भजियावाला सहित काफी तादाद में फ्फ्फ्यूचर फाउंडेशन के कार्यकर्ता मौजूद थे।

श्री नामदेव छिपा समाज (द. गुजरात) के पदाधिकारियों की सर्वसम्मति से नियुक्ति

संवाददाता, सूरत। वसंत पंचमी के दिन आयोजित समारोह में श्री नामदेव छिपा समाज (द. गुजरात) के सदस्यों ने निर्बाध रूप और सर्वसम्मति से वर्तमान अध्यक्ष फूटकरमलजी चौहान, सचिव सुरेश जी परमार और कोषाध्यक्ष शांतिलालजी गेहलोत को फिर से निर्विरोध नियुक्ति किया गाय है, और उन्हे छिपा समाज की सेवा करने का मौका दिया गया है। श्री नामदेव छिपा समाज के सभी सदस्यों ने तीनों पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई दी। अध्यक्ष फूटरमलजी चौहान ने निष्ठापूर्वक के साथ समाज के सभी लोगों के हित में कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सूरत। शहर के रूस्तम पुरा स्थित आशापुरी माता मंदिर के 47वें पाटोत्सव के दौरान विविध भांति पूजन-अर्चन एवं मंत्रोच्चार के साथ हवन-यज्ञ किया गया।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

सूरत। शहर के लिंबायत विस्तार में से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई जो लिंबायत से निकल कर परवत पाटिया से होते हुए पुन: लिंबायत पहुंची।

पांडेसरा से बाइक चोरी करने वाले तीन किशोर गिरफ्तार

सूरत। पांडेसरा में मौज मस्ती करने के लिए बाइक की चोरी करने वाले तीन किशोरों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्फ्तार करके आगे की जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रोज शहर की क्राइम ब्रांच की पुलिस पीयूष काम्प्लेक्स के पास गश्त लगा रही थी। उसी समय मिली गोपनीय सूचना के आधार पर कर्मयोगी सोसाइटी के नाके से चोरी की दो बाइक के साथ दो किशोरों को गिरफ्फ्तार कर लिया। इनके पास से तीन बाइक कब्जे में की गई है। जिसमें बगैर नंबर की हीरो होन्डा पैशन कीमत 18 हजार रुपए, हीरो होन्डा स्प्लेंडर प्लस कीमत 30 हजार रुपए और होन्डा करिश्मा नं. जीजे-5-इक्यू-8012 कीमत 24 हजार रुपए का समावेश है। पूछताछ में किशोरों ने बताया कि केवल मौज-शौक के लिए बाइक की चोरी करते थे।

घर में आग लगने से दो बहनों की मौत, मां-बाप भी झुलसे

सूरत। नवसारी के विजलपोर शहर में स्थित रामनगर क्षेत्र के एक घर में आग लगने से दो सगी बहनों की मौत हो गई, जबकि आग से माता-पिता भी गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवसारी के विजलपोर स्थित घर में चिक्की बनाने का व्यवसाय करने वाले परिवार के घर में गत रोज अचानक आग लग गई। आग ने देखते ही देखते समग्र घर को चपेट में ले लिया। घटना की जानकारी होने पर स्थानीय लोग स्थल पर पहुंच कर आग को काबू में करने का प्रयास किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com